शिक्षा से पढ़ो, ज्ञान से बढ़ो

दिनांक 28 सितम्बर, 2016 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में अन्तःमहाविद्यालय संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन हिन्दी व संस्कृत साहित्य परिषद् के तत्वावधान में आयोजित किया गया. जिसमें फरीदाबाद व पलवल जिले के विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया. अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता जी के दिशानिर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. आज़ादी का अर्थ, बदलते समय में भारत, शिक्षा और समाज तथा नैतिक शिक्षा जैसे समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा विचार प्रस्तुत किए गए. इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 20 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये. सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता ने सभी महाविद्यालयों के आये हुए टीम प्रभारियों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रतियोगिता के सभी विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये तथा उन्होंने विशेष तौर पर बताया कि हमें चित्र की नहीं चरित्र की, व्यक्ति की नहीं व्यक्तित्व की पूजा करनी चाहिए लेकिन ये तभी सम्भव है जब मनुष्य अपना शारिरीक, मानसिक व आध्यात्मिक विकास करेगा. इसके लिए हमें नैतिक शिक्षा को समझने व अपनाने की आवश्यकता है. उन्होंने पुरस्कार विजेताओं व प्रतिभागियों को बधाई दी व पुरुस्कृत किया. निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ0 रमन कुमार (राजकीय महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद), डॉ0 सुषमा रानी (सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल) व श्रीमती रचना देवी (माँ ओमवती कॉलेज, हसनपुर) ने निभाई. कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 अशोक कुमार निराला व श्रीमती मंजु गुप्ता द्वारा किया गया. कार्यक्रम में हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द, डॉ0 रेणु माहेश्वरी, डॉ0 बाँके बिहारी व अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित थे. मंच संचालन का कार्यभार डॉ0 रेणु माहेश्वरी से संभाला. डॉ0 अशोक कुमार निराला ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया